# राजभाषा कार्यान्वयन समिति
# भारती महाविद्यालय
# दिल्ली विश्वविद्यालय

## हिंदी पक्षोत्सव एवं कार्यशाला

**14-18 सितंबर 2023**

**“हिंदी तकनीक की दृष्टि से सहज भाषा है” - डॉ. बालेंदु शर्मा दाधीच**

**“राजभाषा हिंदी में कार्यालयी कार्य को बढ़ावा देने के लिए मैं संकल्पित हूं” - प्रो. सलोनी गुप्ता, प्राचार्या**

भारती महाविद्यालय के हिंदी विभाग एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयुक्त तत्वावधान में 14 से 18 सितंबर 2023 तक हिंदी पखवाड़े का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल महाविद्यालय में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और सम्मान को प्रकट करने का माध्यम था, बल्कि इसने प्रशासनिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करने का ठोस मंच भी प्रदान किया। पखवाड़े की सभी गतिविधियाँ उत्साह, सृजनात्मकता और अनुशासन के साथ सम्पन्न हुईं, जिनमें शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की सक्रिय एवं प्रेरणादायक भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम का शुभारंभ एक अनूठी और रोचक पहल के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने अपने हस्ताक्षर हिंदी भाषा में किए। यह क्षण महाविद्यालय के लिए प्रतीकात्मक एवं भावनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था, जिसने यह संदेश दिया कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का जीवंत प्रतीक है। कार्यक्रम के आरंभिक सत्र में इस बात पर बल दिया गया कि कार्यालयी कार्य में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता बनाए रखना आवश्यक है और राजभाषा विभाग से समय-समय पर प्राप्त निर्देशों को व्यवहार में लागू करने हेतु ठोस प्रयास किए जाने चाहिए।

इस अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की संयोजिका प्रो. मंजु शर्मा ने आदरणीय एवं विद्वान अतिथियों का स्वागत किया। इनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित प्रोफेसर प्रो. मंजु मुकुल, प्रो. पूरन चंद टंडन, हिंदी साहित्य एवं भाषा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉ. जगदीश राम पौरी, डॉ. गंभीर सिंह चौहान तथा हिंदी तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी विद्वान डॉ. बालेंदु शर्मा दाधीच शामिल थे। सभी विशिष्ट अतिथियों ने अपने-अपने विशद व्याख्यानों के माध्यम से न केवल विषय की गहनता को स्पष्ट किया, बल्कि हिंदी के संवर्धन, तकनीकी उपयोग और भाषायी सशक्तिकरण के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दिए। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने इन विचारों को अत्यंत लाभकारी और प्रेरणादायक पाया।

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत भारती महाविद्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा अनेक प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जो शैक्षणिक और अंतर-महाविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट अवसर बना। शिक्षणेत्तर वर्ग के लिए कविता वाचन, प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता तथा आशु भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने प्रशासनिक और राजभाषाई कौशल का परिचय देते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया और हिंदी में अपनी अभिव्यक्ति की शक्ति को प्रदर्शित किया।

विद्यार्थी वर्ग के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में पोस्टर निर्माण, “हिंदी — कल, आज और कल” विषय पर स्लोगन निर्माण, स्वरचित कविता लेखन, प्रश्नोत्तर, आशु भाषण तथा “हिंदी वसुधैव कुटुम्बकम् का सर्वाधिक सशक्त माध्यम है” विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता शामिल थीं। इन सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने न केवल अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया, बल्कि तर्कशक्ति, वक्तृत्व-कौशल और भाषा-प्रेम का उत्कृष्ट प्रदर्शन भी किया। प्रतिभागियों के उत्साह और प्रस्तुति की गुणवत्ता ने इस आयोजन को जीवंत और यादगार बना दिया।

पखवाड़े के प्रत्येक दिन कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से किया गया, जो भारतीय परंपरा में ज्ञान, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान इस बात पर गहन विचार-विमर्श किया गया कि हिंदी की प्रगति को निरंतर और गतिशील कैसे बनाए रखा जाए, तथा तकनीकी युग में इसकी प्रासंगिकता और प्रभावशीलता को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। चर्चा के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि हिंदी की जड़ों को सशक्त बनाने के लिए हमें न केवल इसके साहित्यिक और सांस्कृतिक स्वरूप को संरक्षित रखना है, बल्कि इसे तकनीकी और प्रशासनिक उपयोग में भी सहज और सक्षम बनाना होगा।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा पखवाड़े के अवसर पर एक भित्ति पत्रिका प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें हिंदी के सभी प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं के अंश, जीवन-परिचय और चित्रों को प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों और आगंतुकों के लिए प्रेरणास्रोत बनी, जिसने उन्हें हिंदी साहित्य की विविधता और गहराई से परिचित कराया।

इस पूरे कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, प्राध्यापक और छात्र-छात्राएँ सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए। सभी ने अपने-अपने स्तर पर योगदान देकर आयोजन की सफलता सुनिश्चित की। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने उत्कृष्टता और उत्साह का परिचय दिया, जिससे पखवाड़े का हर आयोजन जीवंत और प्रभावशाली बन गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी न केवल हमारे प्रशासनिक कार्यों की आत्मा है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक विरासत का अमूल्य धरोहर भी है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए इस प्रकार के आयोजनों को भविष्य में और भी व्यापक एवं प्रभावशाली बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस भव्य आयोजन की सफलता में भागीदारी करने वाले सभी व्यक्तियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। यह पखवाड़ा महाविद्यालय में हिंदी भाषा के प्रति निष्ठा, गर्व और सक्रियता का सजीव प्रमाण बना और यह सुनिश्चित किया कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि विचार, ज्ञान और संस्कृति का जीवंत माध्यम है, जो प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक एकता दोनों को सुदृढ़ करता है। आने वाले समय में भी ऐसे आयोजन हिंदी के प्रचार-प्रसार और तकनीकी अनुकूलन की दिशा में नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे।

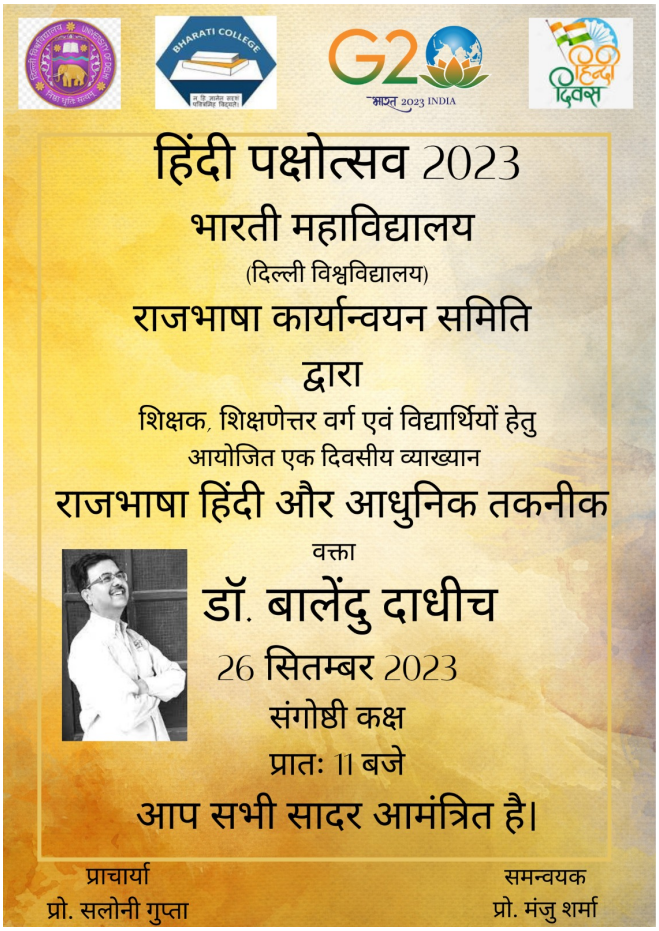
हिंदी पक्षोत्सव 2023
भारती महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
द्वारा
शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग एवं विद्यार्थियों हेतु
आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान
राजभाषा हिंदी और आधुनिक तकनीक
वक्ता
डॉ. बालेंदु दाधीच
26 सितम्बर 2023
संगोष्ठी कक्ष
प्रातः 11 बजे
आप सभी सादर आमंत्रित है।
प्राचार्या
प्रो. सलोनी गुप्ता
समन्वयक
प्रो. मंजु शर्मा

हिन्दी पक्षोत्सव 2023
14 - 28 सितंबर
भारती महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
द्वारा आयोजित
शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग एवं छात्राओं हेतु
एक दिवसीय कार्यशाला
विषय: प्रशासनिक कामकाज में
राजभाषा हिन्दी का प्रयोग।
डॉ. जगदीश राम पौरी
संयुक्त निदेशक, राजभाषा
उच्चतर शिक्षा विभाग
शिक्षा मन्त्रालय
डॉ. गम्भीर सिंह चौहान
संयुक्त सचिव, वि.वि.अनुदान आयोग
शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार
23 सितंबर 2023
संगोष्ठी कक्ष
प्रातः 11 बजे
आप सादर आमंत्रित हैं।
प्राचार्या
प्रो. सलोनी गुप्ता
समन्वयक
प्रो. मंजु शर्मा

हिन्दी पक्षोत्सव '2023'
14 - 28 सितम्बर
भारती महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
एवं
'सृजन' हिन्दी साहित्य संस्था
द्वारा आयोजित
प्राचार्य
प्रो० सलोनी गुप्ता
समन्वयक
प्रो० मन्जु शर्मा

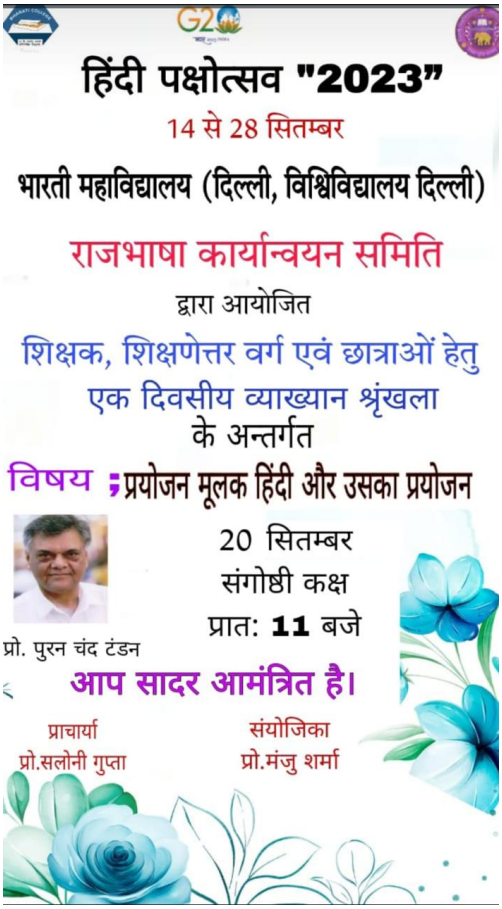
हिंदी पक्षोत्सव "2023"
14 से 28 सितम्बर
भारती महाविद्यालय (दिल्ली, विश्विविद्यालय दिल्ली)
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
द्वारा आयोजित
शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग एवं छात्राओं हेतु
एक दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला
के अन्तर्गत
विषय ;प्रयोजन मूलक हिंदी और उसका प्रयोजन
20 सितम्बर
संगोष्ठी कक्ष
प्रातः 11 बजे
प्रो. पुरन चंद टंडन
आप सादर आमंत्रित है।
प्राचार्या
प्रो.सलोनी गुप्ता
संयोजिका
प्रो.मंजु शर्मा